

Chapter-1

आत्मपरिचय

Exercise 1.1

1 Mark Questions

प्रश्न 1. कवि अपने मन का गान किस प्रकार करता है?

उत्तर कवि कहता है कि मैंने हमेशा अपने मन की बात मानी है। मैं कभी अपने प्रति लापरवाह नहीं रहा। मैंने हमेशा वही किया जो मेरे मन ने कहा, लेकिन मैंने अपनी दुनिया की परवाह नहीं कि इसलिए मैं अपने मन का ही गान करता हूँ।

प्रश्न 2. कवि सुख और दुख – दोनों स्थितियों में मग्न कैसे रह पाता है?

उत्तर: कवि कहता है कि मैं दुख में ज्यादा दुखी नहीं हुआ और सुख में ज्यादा खुश नहीं हुआ। मैंने हमेशा दोनों स्थितियों में सामंजस्य बनाए रखा। दुख और सुख दोनों को एक जैसा माना क्योंकि ये दोनों स्थितियों तो मानव जीवन में आती है। इसलिए कवि सुख और दुख दोनों स्थितियों में मग्न रहता है।

प्रश्न 3. कवि जग को अपने से अलग कैसे मानता है?

उत्तर: कवि कहता है कि मेरा और जगत दोनों का ही अस्तित्व अलगअलग है। मैं कभी जगत के बारे में नहीं सोचता हूँ। मुझे केवल मेरे से ही काम है। यह जगत् मेरी ही तरह अपने में ही मस्त है। जब दोनों का अस्तित्व अलगअलग है तो मैं जगत को एक सा क्यों मानूँ?

प्रश्न 4. दिन का थका पंथी कैसे जल्दीजल्दी चलता है?

उत्तर: राह चलतेचलते यद्यपि पंथी (राहगीर) थक जाता है, लेकिन वह फिर भी चलते रहना चाहता है। उसे डर है कि यदि वह रुक गया तो रात ढल जाएगी अर्थात् रात के होते ही मुझे रास्ते में रुकना पड़ेगा। इसलिए दिन का थका पंथी जल्दी जल्दी चलता है।

प्रश्न 5.दिन के जल्दीजल्दी ढलने से क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर:दिन के जल्दीजल्दी ढलने के कारण व्यक्ति सजग हो जाता है। वह जल्दी से जल्दी अपनी मंजिल पर पहुँचना चाहता है। जल्दीजल्दी ढलने की भावना के कारण व्यक्ति में स्फूर्ति आ जाती है। इसी कारण वह प्रत्येक कार्य समय रहते पूरा कर लेना चाहता है।

प्रश्न 6.पहली कविता की अलंकार योजना बताइए।

उत्तर:कवि बच्चन ने 'आत्मपरिचय' शीर्षक कविता में अनुप्रास, पुनरुक्ति प्रकाश, उपमा, रूपक और प्रश्न आदि अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग किया है। ये अलंकार थोपे हुए प्रतीत नहीं होते। इनका प्रयोग करना ज़रूरी भी था क्योंकि इनके प्रयोग से कविता में सौंदर्य की वृद्धि हुई है।

Exercise 1.2

2 Mark Questions

प्रश्न 1. कवि ने किस शैली का प्रयोग किया है?

उत्तर: 'आत्मपरिचय' शीर्षक कविता में कवि ने वैयक्तिक अर्थात् मैं शैली का प्रयोग किया है। उसने इस शैली का प्रयोग भावों के अनुकूल एवं सार्थक ढंग से किया है। इस शैली का प्रयोग करके कवि ने अपने बारे में पाठकों को सबकुछ बताने की कोशिश की है।

प्रश्न 2. दिन जल्दी जल्दी ढलता है, कविता में कौन से रस हैं?

उत्तर: इस कविता में मुख्यतः कवि ने दो रसों का प्रयोग किया है वात्सल्य रस और शृंगार रस। इन रसों का प्रयोग करके कवि ने कविता के सौंदर्य में वृद्धि की है। पक्षियों के वात्सल्य और कवि के प्रेम का चित्रण इन्हीं रसों के माध्यम से हुआ है। कहने का आशय है कि कवि की रस योजना भावानुकूल बन पड़ी है।

प्रश्न 3. 'आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है?

उत्तर: इस कविता में, कवि ने अपने जीवन की अनेक विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है। कवि सांसारिक कठिनाइयों से जूझ रहा है, फिर भी वह इस जीवन से प्यार करता है। वह संसार की परवाह नहीं करता क्योंकि संसार अपने चहेतों का गुणगान करता है। उसे यह संसार अपूर्ण लगता है। वह अपने सपनों का संसार लिए फिरता है। वह यौवन का उन्माद व अवसाद साथ लिए रहता है। वह शीतल वाणी में आग लिए फिरता है।

प्रश्न 4. दिन जल्दी जल्दी ढलता है, में पक्षी तो लौटने को विकल है, पर कवि में उत्साह नहीं है। ऐसा क्यों?

उत्तर: इस कविता में पक्षी अपने घरों में लौटने को विकल है, परंतु कवि में उत्साह नहीं है। इसका कारण यह है कि पक्षियों के बच्चे उनको इंतज़ार कर रहे हैं। कवि अकेला है। उसकी प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है। इसलिए उसके मन में घर जाने का कोई उत्साह नहीं है।

प्रश्न 5. आशय स्पष्ट कीजिए – ‘मैं और, और जग और, कहाँ का नाता!’

उत्तर: कवि कहना चाहता है कि मेरा जीवन अलग है। संसार अपने मोह में डूबा हुआ है। इन दोनों के बीच कोई स्वाभाविक संबंध नहीं है। कवि अपनी भावनाओं के लोक में जीता है।

प्रश्न 6. कवि की भाषाशैली के बारे में बताइए।

उत्तर: कवि की दोनों कविताओं की भाषा सहज, सरल और स्वाभाविक है। यद्यपि कहींकहीं संस्कृतनिष्ठ शब्दावली का प्रयोग हुआ है, लेकिन वह कठिन नहीं लगती। भाषा में भावों को अभिव्यक्त करने की पूरा क्षमता है। भाषाशैली प्रभावशाली है। देशज विदेशी सभी तरह के शब्दों का प्रयोग कवि ने किया है।

Exercise 1.3

4 Mark Questions

प्रश्न 1. कविता एक ओर जगजीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ – विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है?

उत्तर: कवि ने जीवन का आशय जगत से लिया है अर्थात् वह जगतरूपी जीवन का भार लिए घूमता है। कहने का भाव है कि कवि ने अपने जीवन को जगत का भार माना है। इस भार को वह स्वयं वहन करता है। वह अपने जीवन के प्रति लापरवाह नहीं है। लेकिन वह संसार का ध्यान नहीं करता। उसे इस बात से कोई मतलब नहीं है कि संसार या उसमें रहने वाले लोग क्या करते हैं। इसलिए उसने अपनी कविता में कहा है कि मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ। अर्थात् मुझे इस संसार से कोई या किसी प्रकार का मतलब नहीं है।

प्रश्न 2. जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं – कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर: दाना का आशय है जानकार लोग अर्थात् सबकुछ जानने वाले और समझने वाले लोग। कवि कहता है कि संसार में दोनों तरह के लोग होते हैं – ज्ञानी और अज्ञानी, अर्थात् समझदार और नासमझ दोनों ही तरह के लोग इस संसार में रहते हैं। जो लोग प्रत्येक काम को समझबूझ कर करते हैं वे 'दाना' होते हैं, जबकि बिना सोचेविचारे काम करने वाले लोग नादान होते हैं। अतः कवि ने दोनों में अंतर बताने के लिए ही ऐसा कहा है।

प्रश्न 3. 'मैं और, और जग और, कहाँ का नाता' पंक्ति में 'और' शब्द की विशेषता बताइए।

उत्तर: इस कविता में कवि ने 'और' शब्द का प्रयोग तीन अर्थों में किया है। इस शब्द की अपनी ही विशेषता है जिसे विशेषण के रूप में प्रयुक्त किया गया है। मैं और मैं इसमें और शब्द का अर्थ है कि मेरा अस्तित्व बिल्कुल अलग है। मैं तो कोई अन्य ही अर्थात् विशेष व्यक्ति हूँ। और जग' में और शब्द से आशय है कि यह जगत भी कुछ अलग ही है। यह जगत भी मेरे अस्तित्व की तरह कुछ और है। तीसरे 'और' का अर्थ है के साथ। कवि कहता है कि जब मैं और मेरा अस्तित्व बिल्कुल अलग है। यह जगत भी बिल्कुल अलग है तो मेरा इस जगत के साथ संबंध कैसे बन सकता है। अर्थात् मैं और यह संसार परस्पर नहीं मिल सकते क्योंकि दोनों का अलग ही महत्त्व है।

प्रश्न 4. शीतल वाणी में आग के होने का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: शीतल वाणी में आग कहकर कवि ने विरोधाभास की स्थिति पैदा की है। कवि कहता है कि यद्यपि मेरे द्वारा कही हुई बातें शीतल और सरल हैं। जो कुछ मैं कहता हूँ वह ठंडे दिमाग से कहता हूँ, लेकिन मेरे इस कहने में बहुत गहरे अर्थ छिपे हुए हैं। मेरे द्वारा कहे गए हर शब्द में संघर्ष हैं। मैंने जीवन भर जो संघर्ष किए उन्हें जब मैं कविता का रूप देता हूँ तो वह शीतल वाणी बन जाती है। मेरा जीवन मेरे दुखों के कारण मन ही मन रोता है लेकिन कविता के द्वारा जो कुछ कहता हूँ उसमें सहजता रूपी शीतलता होती है।

प्रश्न 5. बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे?

उत्तर: बच्चे से यहाँ आशय चिड़ियों के बच्चों से है। जब उनके माँबाप भोजन की खोज में उन्हें छोड़कर दूर चले जाते हैं तो वे दिनभर माँबाप के लौटने की प्रतीक्षा करते हैं। शाम ढलते ही वे सोचते हैं कि हमारे मातापिता हमारे लिए दाना, तिनका, लेकर आते ही होंगे। वे हमारे लिए भोजन लाएँगे। हमें ढेर सारा चुग्गा देंगे ताकि हमारा पेट भर सके। बच्चे आशावादी हैं। वे सुबह से लेकर शाम तक यही आशा करते हैं कि कब हमारे मातापिता आएँ और वे कब हमें चुग्गा दें। वे विशेष आशा करते हैं कि हमें ढेर सारा खाने को मिलेगा साथ ही हमें बहुत प्यारदुलार भी मिलेगा।

प्रश्न 6. 'दिन जल्दीजल्दी ढलता है' की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर: 'दिन जल्दीजल्दी ढलता है' – वाक्य की कई बार आवृत्ति कवि ने की है। इससे आशय है कि जीवन बहुत छोटा है। जिस प्रकार सूर्य उदय होने के बाद अस्त हो जाता है ठीक वैसे ही मानव जीवन है। यह जीवन प्रतिक्षण कम होता जाता है। प्रत्येक मनुष्य का जीवन एक न एक दिन समाप्त हो जाएगा। हर वस्तु नश्वर है। कविता की विशेषता इसी बात में है। कि इस वाक्य के माध्यम से कवि ने जीवन की सच्चाई को प्रस्तुत किया है। चाहे राहगीर को अपनी मंजिल पर पहुँचना हो या चिड़ियों को अपने बच्चों के पास। सभी जल्दी से जल्दी पहुँचना चाहते हैं। उन्हें डर है कि यदि दिन ढल गया तो अपनी मंजिल तक पहुँचना असंभव हो जाएगी।

Exercise 1.4

Summary

"आत्मपरिचय" एक व्यक्ति की अपनी पहचान, स्वभाव, क्षमताएं, और योग्यताओं का एक संक्षेप है। इसमें व्यक्ति खुद को और अपने जीवन को समझने का प्रयास करता है, ताकि वह अपने लक्ष्यों और सपनों की प्राप्ति में सहायक बन सके।

आत्मपरिचय में व्यक्ति अपने स्वभाव, रुचियां, कला, उत्साह, और उत्कृष्टताएं समझता है। इसमें उसके जीवन में हुए महत्वपूर्ण घटनाओं का समावेश होता है जिससे उसका व्यक्तिगत और पेशेवर विकास हुआ है। यह भी बताता है कि व्यक्ति किस प्रकार से अपने दर्शकों और समाज के साथ संबंध बनाता है और कैसे वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेहनत कर रहा है।

आत्मपरिचय का महत्व इसमें है कि यह व्यक्ति को उसकी सही पहचान और स्वीकृति में मदद करता है, जिससे वह अपने क्षमताओं का सही रूप से उपयोग कर सकता है और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने लक्ष्यों की पूर्ति में सक्षम होता है और एक समृद्धि भरा जीवन जी सकता है।